भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4514

जिसका उत्तर 27 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

यमुना नदी की सफाई प्रक्रिया में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियां

4514. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यमुना नदी की सफाई के लिए अनेक योजनाओं के कार्यान्वयन और निधियों के आवंटन के बावजूद इस नदी में अत्यधिक प्रदूषण व्याप्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने यमुना नदी की सफाई संबंधी पहलों की सफलता में बाधा डालने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान करने के लिए कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने जन स्वास्थ्य और पर्यावरण पर नदी प्रदूषण के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इसके प्रभावी समाधान के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): भारत सरकार ने गंगा और उसकी सहायक नदियों (यमुना सहित) के पुनरुद्धार के लिए मार्च 2021 तक पांच वर्ष के लिए 2014-15 में नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) शुरू किया था और इसे आगे बढ़ाकर मार्च 2026 तक कर दिया गया है। एनजीपी के तहत, यमुना नदी के लिए 6,407.36 करोड़ रुपये की लागत से 2,243.25 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवरेज उपचार क्षमता के निर्माण के लिए 34 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। परियोजनाओं की सूची **अनुलग्नक** में संलग्न है।

दिल्ली में यमुना नदी में प्रदूषण के मुख्य कारण हैं:

i. यमुना नदी में अनुपचारित/आंशिक रूप से उपचारित सीवेज का प्रवाह। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जनवरी 2025 में उपचार में अंतर 822.8 एमएलडी है;

ii. कुछ स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों में सामान्य बहि:स्राव उपचार संयंत्रों (सीईटीपी) का अभाव;

iii. नई परियोजनाओं के पूरा होने तथा सीवेज उपचार परियोजनाओं के पुनरूद्धार और/या उन्नयन में विलंब।

(ग) और (घ): नदी की सफाई एक सतत प्रक्रिया है और भारत सरकार नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके गंगा और इसकी सहायक नदियों (यमुना नदी सहित) में प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने में राज्य सरकार के प्रयासों में सहायता कर रही है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार विभिन्न उपायों पर काम कर रही है, जिनमें शामिल हैं:

क. मौजूदा एसटीपी का उन्नयन और क्षमता में वृद्धि;

ख. नए एसटीपी का निर्माण;

ग. विभिन्न नाली अवरोधक परियोजनाएं।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सभी प्रचलित एसटीपी की निगरानी डीपीसीसी द्वारा प्रत्येक महीने की जा रही है और विश्लेषण रिपोर्ट दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की वेबसाइट पर उपलब्ध है। डीपीसीसी नियमित आधार पर निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए डीजेबी के साथ संपर्क में है। दिल्ली जल बोर्ड ने सूचित किया है कि प्रत्येक संविदा में उपचारित अपशिष्ट आदि के गारंटीकृत मापदंडों को पूरा न करने की स्थिति में दंड का प्रावधान है और गैर-अनुपालन के लिए समय-समय पर भुगतान रोक दिया जाता है/वसूली की जाती है। यदि एजेंसियां बार-बार पत्र व्यवहार के बाद भी उचित जवाब नहीं देती हैं तो डीजेबी टेंडरिंग से ब्लैकलिस्ट/विवर्जित करने का प्रावधान है। डीजेबी ने विभिन्न साइटों पर चूक करने वाली फर्मों पर कार्रवाई की है।

इसके अलावा, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) नियमित रूप से नदी जल गुणवत्ता मापदंडों की निगरानी करता है और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) का निरीक्षण भी करता है और दिल्ली में स्थापित सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) की गैर-अनुपालन स्थिति के संबंध में जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 18 (1) (ख) के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को दिनांक 12.11.2024 को निर्देश भी जारी किए हैं।

औद्योगिक प्रदूषण की निगरानी के लिए, यमुना नदी के मुख्य धारा में गंभीर प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) का वार्षिक निरीक्षण वर्ष 2020 में शुरू हुआ। वर्ष 2024 के दौरान, हिंडन सहित यमुना पर 2847 जीपीआई को निरीक्षण के चौथे दौर में सूचीबद्ध किया गया है। सभी जीपीआई का निरीक्षण किया गया है। अब तक, 2717 जीपीआई (यमुना के मुख्य धारा में 2847 जीपीआई में से) पर कार्रवाई पूरी हो चुकी है, 1826 जीपीआई अनुपालन कर रहे हैं, 334 अनुपालन कर रहे हैं, 303 जीपीआई अस्थायी रूप से बंद हैं, और 254 जीपीआई स्थायी रूप से बंद हैं। अनुपालन करने वाले (334 जीपीआई) में से, 28 जीपीआई को बंद करने के लिए नोटिस जारी किया गया है और 306 जीपीआई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह देखा गया है कि जीपीआई की अनुपालन स्थिति वर्ष 2020 में 64% से बढ़कर वर्ष 2023 में 79% हो गई है

*****

अनुलग्नक

"यमुना नदी की सफाई प्रक्रिया में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियाँ" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4514 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची :

क्र. सं.	परियोजना का नाम	उपचार क्षमता (एमएलडी)	स्वीकृत लागत (करोड़ रुपए में)	स्थिति
उत्तर प्रदेश				
1	वृंदावन में सीवरेज अवसंरचना का पुनरूद्धार और एसटीपी (4 एमएलडी) का विस्तार/उन्नयन	4	42.82	पूर्ण
2	मसानी में मथुरा सीवरेज योजना का पुनरूद्धार /नवीनीकरण	67.8	460.45	पूर्ण
3	आगरा में पुनरूद्धार कार्य के साथ इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन	177.6	842.25	प्रगति में
4	इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन तथा एसटीपी कार्य बागपत	14	77.36	पूर्ण
5	फिरोजाबाद में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	0	51.08	पूर्ण
6	इटावा में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	44.94	140.6	पूर्ण
7	मुजफ्फरनगर में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	54.50	234.03	प्रगति में
8	बुढ़ाना में इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन कार्य	10	48.76	पूर्ण
9	मथुरा औद्योगिक क्षेत्र, मथुरा में वस्त्र मुद्रण इकाइयों के लिए मौजूदा सीईटीपी के बुनियादी अवसंरचना का उन्नयन (6.25 एमएलडी)	6.25	13.87	पूर्ण
10	मथुरा में शेष नालों के लिए आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	60	292.56	प्रगति में
11	कैराना में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	15	78.42	पूर्ण
12	छाता में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	6	56.15	प्रगति में
13	कोसी में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	12	66.59	प्रगति में
14	वृंदावन में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	13	77.7	प्रगति में
15	हाथरस में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	24	128.91	प्रगति में
16	सहारनपुर में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	135	577.23	प्रगति में

17	बनत में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	5	48.71	प्रगति में
18	बंतीखेड़ा और बाबरी में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	5	55.47	प्रगति में
19	थानाभवन में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	10	97.19	प्रगति में
20	शामली में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	40	206.02	प्रगति में
21	देवबंद में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	20	134.71	टेंडरिंग
22	अलीगढ़ में आईएंडडी तथा एसटीपी कार्य	113	496.02	टेंडरिंग
	उप योग	**827.09**	**4226.88**	
दिल्ली				
1	ट्रंक सीवर नंबर 4 का पुनरूद्धार	0	87.43	पूर्ण
2	ट्रंक सीवर नंबर 5 का पुनरूद्धार	0	83.4	पूर्ण
3	कोंडली चरण-I एसटीपी (45 एमएलडी), चरण-II एसटीपी (114 एमएलडी) और चरण-III एसटीपी (45 एमएलडी) का पुनरूद्धार और उन्नयन	204	239.11	पूर्ण
4	राइजिंग मेन्स का पुनरूद्धार	0	59.13	पूर्ण
5	ट्रंक सीवर का पुनरूद्धार	0	43.92	पूर्ण
6	राइजिंग मेन का पुनरूद्धार	0	45.4	पूर्ण
7	एसटीपी चरण-I (182 एमएलडी) का पुनरूद्धार और उन्नयन	182	211.79	पूर्ण
8	564 एमएलडी (124 एमजीडी) अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी) का निर्माण	564	665.78	प्रगति में
9	दिल्ली के कोरोनेशन पिलर में 318 एमएलडी (70 एमजीडी) का निर्माण	318	515.07	पूर्ण
	उप योग	**1268.0**	**1951.04**	
हिमाचल प्रदेश				
1	पांवटा साहिब के जोन II और III के लिए सीवरेज योजना	3.16	11.57	पूर्ण
	उप योग	**3.16**	**11.57**	
हरियाणा				
1	पानीपत में सीवरेज और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी)	90	129.51	पूर्ण
2	सोनीपत में सीवरेज और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी)	55	88.36	पूर्ण
	उप योग	**145**	**217.87**	
	कुल योग	**2242.25**	**6407.36**	

*****